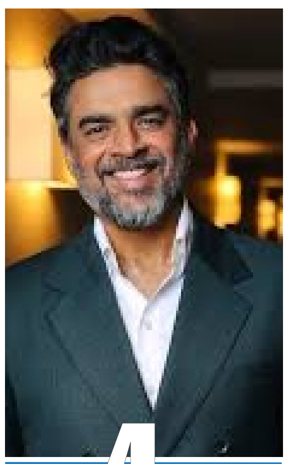

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

आर माधवन ने बेटे के लिए छोड़ा देश

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 70 ■ गुरुवार 21 मई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

गुरुवार-शुक्रवार 24 घंटे जलापूर्ति बंद

ठाणे, उल्हासनगर, कल्याण एरिया में पानी की कटौती

पानी का इस्तेमाल सोच-समझकर करने की अपील

ठाणे। जिले के ठाणे, उल्हासनगर, कल्याण म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया में पानी की कटौती जारी की गई है। अगले सीजन में कम बारिश को देखते हुए, कॉर्पोरेशन की तरफ से पानी की खपत कम करने का प्रस्ताव दिया गया है ताकि पानी के इस्तेमाल की प्लानिंग की जा सके। इस वजह से, उल्हासनगर के लोगों के लिए पानी की कटौती की संभावना है और इसके तहत, गुरुवार, 21 मई, को दोपहर 12.00 बजे से 22 मई, को दोपहर 12.00 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी।

शनिवार को कम प्रेशर से पानी की सप्लाई।

महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MIDC) ने जांभूल जलशुद्धीकरण केंद्र के जलवाहिनी को अपग्रेड करने और अर्जेंट मेंटेनेंस करने और शहाड अशुद्ध जल उदंचन केंद्र में APFC पैनल बदलने की प्लानिंग की है। इसलिए, शहाड वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के बारवी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, जांभूल से पानी की सप्लाई गुरुवार दोपहर 12 बजे से शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी और शनिवार 23 तारीख को कम प्रेशर और कम वॉल्यूम में पानी की सप्लाई होने की संभावना है।

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया में मुंब्रा, दिवा, कलवा, मजीवडा मानपाड़ा और वागले (कुछ इलाकों में) की वार्ड कमेटियों में महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा पानी की सप्लाई की जाती है। शटडाउन के दौरान, दिवा, मुंब्रा (वार्ड नंबर 26 और 31 के कुछ हिस्सों को छोड़कर) और ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के तहत कलवा वार्ड कमेटी के सभी इलाकों और वागले वार्ड कमेटी के तहत रूपादेवी पाड़ा, किसाननगर नंबर 2, नेहरू नगर के साथ-साथ मानपाड़ा वार्ड कमेटी के तहत कोलशेत खालचा गांव में 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट ने लोगों से अपील की है कि वे ध्यान दें कि पानी की सप्लाई शुरू होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी का प्रेशर कम रहेगा।

KDMC एरिया में पानी कटौती के बारे में सूचना

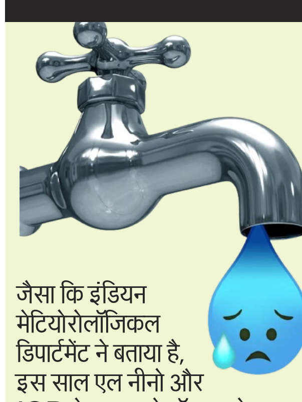

जैसा कि इंडियन मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने बताया है, इस साल एल नीनो और IOD के असर से मॉनसून के लंबे समय तक चलने की संभावना के कारण, 2026 के बजट सेशन में 31/08/2026 तक पीने के पानी की प्लानिंग करने के निर्देश मिले हैं। इसके अनुसार, जैसा कि 14/05/2026 को वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट के साथ हुई मीटिंग में तय हुआ था, सभी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और दूसरी अथॉरिटीज़ ने आने वाले समय में पानी की कमी से बचने के लिए समय-समय पर तालमेल से पानी की कटौती करने का फैसला किया है।

इसके मुताबिक, कल्याण डोबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के बारावे, मोहिली, नेतिवली और टिटवाला वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर से पानी की सप्लाई शुक्रवार, 22/05/2026 को सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक 12 घंटे के लिए बंद रहेगी। ठाणे में भी पानी नहीं आएगा। वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट के साथ वॉटर सप्लाई अधिकारियों की एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग में लिए गए फैसले के मुताबिक, आंध्र और बारवी डैम में अभी पानी की कमी और अगले सीजन में कम बारिश को देखते हुए, 31 अगस्त 2026 तक पानी की खपत की प्लानिंग करने के लिए कॉर्पोरेशन द्वारा पानी कम करने का प्रस्ताव है।

जिंदगी और मौत से जूझ रहा श्रवण

- चौथी मंजिल से सीढ़ी सीधे सिर पर गिरी
- उल्हासनगर 3 की घटना
- परिवार को सदमा

उल्हासनगर. उल्हासनगर-3 के पवई इलाके के सरस्वती नगर में एक बहुत ही दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जगदीश बिल्डिंग के पास के इलाके में रहने वाला 4 साल का बच्चा श्रवण रूपनारायण मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे अपने घर के पास खेल रहा था। उसी समय चौथी मंजिल से एक भारी सीढ़ी सीधे उसके सिर पर गिर गई। इस भयानक हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके सिर में गहरी चोट आई है। वह अभी कोमा में है और मुंबई के वाडिया अस्पताल में अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहा है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने बच्चे की दादी रत्नाबाई गणेश नुपनारायण और पूरे परिवार को हिलाकर रख दिया है। बच्चे के पिता की कुछ महीने पहले मौत हो गई थी और जब तक परिवार उस सदमे से उबर रहा था, तब तक उन पर एक और बड़ा झटका लग गया है।

घटना के बाद, रिश्तेदार तुरंत बच्चे को उल्हासनगर और कल्याण के अस्पतालों में ले गए, लेकिन उसकी हालत बहुत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे मुंबई रेफर कर दिया। पूरे इलाके में इस छोटी बच्ची के ठीक होने के लिए प्रार्थना की जा रही है, जो अपने पिता की मौत के बाद अब अपनी ज़िंदगी के बहुत मुश्किल दौर से गुज़र रही है।

वालधुनी नदी को पाटकर बनाए गए अवैध कंस्ट्रक्शन पर कार्रवाई

उल्हासनगर. स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि वालधुनी नदी के तल को पाट कर बनाए गए अनधिकृत कंस्ट्रक्शन के खिलाफ महानगर पालिका की कार्रवाई सिर्फ दिखावा है। जब वहां 10 से ज़्यादा अवैध कंस्ट्रक्शन हैं, तो महानगर पालिका ने सिर्फ दो घरों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिससे प्रशासन की भूमिका पर फिर से सवाल उठ रहे हैं।

एक गंभीर मामला सामने आया है जहां कुछ लैंड माफियाओं ने उल्हासनगर शहर से होकर बहने वाली वालधुनी नदी के किनारे सीधे नदी के तल को भरकर बिना इजाज़त चॉल बना ली है। इस जगह पर 10 कमरों का कंस्ट्रक्शन है और नागरिकों ने बताया कि उन्होंने इस बारे में कई बार महानगर पालिका से शिकायत की है।

हर साल मानसून के दौरान वालधुनी नदी के किनारे निचले इलाकों में पानी भरने की समस्या के लिए ऐसे बिना इजाज़त भरे भराव और कंस्ट्रक्शन को ज़िम्मेदार ठहराया जा रहा है। नागरिक यह भी डर जता रहे हैं कि नदी का तल पतला होने से बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। शिकायत के बाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की टीम ने संबंधित जगह पर जाकर कार्रवाई की। हालांकि, पूरा कंस्ट्रक्शन हटाने के बजाय, सिर्फ़ दो कमरों के खिलाफ़ कार्रवाई करने पर स्थानीय लोगों ने गुस्सा जताया है।

स्त्री बीज तस्करी केस में 5,000 पेज की चार्जशीट

- 5 डॉक्टरों समेत 15 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र

बदलापुर. बदलापुर में सामने आए स्त्री बीज तस्करी केस ने अब पूरे राज्य और देश में हलचल मचा दी है और इस केस की जांच बहुत ही चौंकाने वाले मोड़ पर पहुंच गई है। कल्याण सेशंस कोर्ट में 5,000 पेज की डिटेल्ड चार्जशीट फाइल की जाएगी, जिसमें फर्टिलिटी सेंटर के पांच डॉक्टरों समेत कुल 15 आरोपियों के खिलाफ गंभीर जुर्म के आरोप लगाए जाएंगे। जांच एजेंसियों ने शक जताया है कि इस पूरे केस के पीछे राज्य के बाहर फैला एक बड़ा रैकेट काम कर रहा है।

इस केस में अब तक डॉक्टरों, एजेंट्स और ब्रोकर्स समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि एजेंट्स ने नकली लैब रिपोर्ट्स, नकली मेडिकल डॉक्यूमेंट्स, नकली पहचान पत्र और डोनर महिलाओं के नकली सर्टिफिकेट तैयार किए थे। शक है कि कई महिलाओं को उनकी आर्थिक तंगी और गरीबी का फायदा उठाकर पैसे का लालच देकर इस रैकेट में फंसाया गया।

जांच एजेंसियों की जानकारी के मुताबिक, कुछ जगहों पर महिलाओं की मेडिकल क्वालिफिकेशन चेक किए बिना ही

यह प्रोसेस किया गया। कुछ मामलों में चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है कि संबंधित महिलाओं की सेहत के साथ खिलवाड़ किया गया। क्या डॉक्टरों को फर्जी रिपोर्ट के आधार पर गुमराह किया गया या कुछ लोग जानबूझकर इस चेन में शामिल थे, जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है।

बदलापुर ईस्ट पुलिस ने बहुत ही सीक्रेट और टेक्निकल तरीके से जांच करते हुए इस रैकेट के तार महाराष्ट्र के बाहर भी खोजे। जांच में पता चला है कि फीमेल स्पर्म ट्रैफिकिंग का नेटवर्क बदलापुर, उल्हासनगर, अंबरनाथ, ठाणे, नासिक और बारामती के साथ-साथ केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और हैदराबाद तक फैला हुआ है। समझा जाता है कि पुलिस को अलग-अलग राज्यों में एजेंट, हॉस्पिटल नेटवर्क और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन की जानकारी मिली है। चार्जशीट फाइल होने से पहले ही 'क्या बड़े नामों को बचाया जा रहा है?' यह चर्चा दबी जुबान में शुरू हो गई है। शक है कि इस रैकेट में कुछ और असरदार लोग, मेडिकल फील्ड के बड़े चेहरे और एजेंट शामिल हैं।

उल्हासनगर मनपा मुख्यालय पर दिव्यांगों का प्रदर्शन

- महापौर के आश्वासन के बाद दिव्यांगों का आंदोलन समाप्त
- महानगरपालिका मुख्यालय पर प्रदर्शन
- 2200 दिव्यांगों को मानधन नहीं
- प्रशासन की लापरवाही से मानदन में देरी

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के अजब कारोबार का असर अब शहर के 2200 दिव्यांग लोगों पर पड़ रहा है। दिव्यांग लोगों में गुस्सा है क्योंकि अप्रैल महीने का मानदन 18 मई के बाद भी जमा नहीं हुआ। दिव्यांग लोगों ने मनपा प्रशासन से नाराज़गी जताई क्योंकि प्रशासन यह वजह बता रहा था कि "बजट अभी तक नहीं आया है"। उल्हासनगर मनपा शहर के करीब 2200 दिव्यांग लोगों को हर महीने 2200 रुपये मानदान देता है। लेकिन, अप्रैल महीने का मानदन न मिलने की वजह से कई दिव्यांग लोगों को इलाज, घर के खर्च और रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए पैसे की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, यह आरोप लगाया गया कि दिव्यांग लोगों के मानदान का प्रोसेस समय पर पूरा नहीं हुआ क्योंकि प्रशासन SIR कैंपेन और जनगणना के काम में व्यस्त था। पता चला कि प्रशासन की लापरवाही की वजह से दिव्यांग लोगों की लिस्ट फाइनेंस डिपार्टमेंट को देर से भेजने की वजह से पूरा प्रोसेस रुका हुआ था। इसके खिलाफ प्रहार जनशक्ति पार्टी के एडवोकेट स्वप्निल पाटिल की मार्गदर्शन में मनपा मुख्यालय पर धरना दिया गया। धरने के दौरान कमिश्नर मुर्दाबाद और प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारे लगाए गए। धरने के बाद प्रशासन ने भरोसा दिया कि दोपहर तक 750 दिव्यांग लोगों के अकाउंट में मानदान जमा कर दिया जाएगा, और बाकी बचे हुए बेनिफिशियरी को कल तक मानदन दे दिया जाएगा। इस समय महापौर अश्विनी निकम ने भी मामले में दखल दिया और अधिकारियों को तुरंत मानदन बांटने का निर्देश दिया। अब दिव्यांग लोगों समेत पूरे शहर की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन अपना वादा कितना पूरा करेगा।

आंबिवली-टिटवाला के बीच 10 दिन का मेगा रेल ब्लॉक

कल्याण. रोड ओवर ब्रिज के नॉन-स्टैंडर्ड स्टील कंपोजिट गर्डर की लॉंचिंग के लिए मध्य रेलवे ने आंबिवली और टिटवाला स्टेशनों के बीच विशेष ट्रैफिक और पावर ब्लॉक घोषित किया है। इससे कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित होंगी।

रेलवे प्रशासन के अनुसार यह विशेष ब्लॉक 21 व 22 मई की मध्यरात्रि से 30 व 31 मई तक प्रतिदिन रात 1.55 बजे से 3.25 बजे तक लागू रहेगा। इस दौरान अप और डाउन दोनों लाइनों पर 350 मीट्रिक टन क्षमता वाली विशाल रोड क्रेन की मदद से गर्डर लॉंचिंग का कार्य किया जाएगा।

टेंडर में फेल कॉन्ट्रैक्टर को दिया गया कॉन्ट्रैक्ट

- उल्हासनगर में 38 बड़े नाले
- 883 छोटे नाले

उल्हासनगर. उल्हासनगर में 38 बड़े नाले और 883 छोटे नाले हैं। मानसून से पहले बड़े नालों की सफाई JCB मशीन से और छोटे नालों की सफाई कॉन्ट्रैक्ट वर्कर करते हैं। इस साल चार कॉन्ट्रैक्टर ने मनपा का टेंडर भरा था। लेकिन, चारों कॉन्ट्रैक्टर टर्म्स एंड कंडीशंस पूरी नहीं कर पाए, इसलिए उन्हें हटा दिया गया। स्टैंडिंग कमेटी ने मानसून से पहले टेंडर प्रोसेस किए बिना पिछले साल के कॉन्ट्रैक्टर

को नाले की सफाई का कॉन्ट्रैक्ट देने का फैसला किया। उल्हासनगर मनपा पर आरोप है कि उसने टेंडर प्रोसेस में हटाए गए कॉन्ट्रैक्टर को नाले की सफाई का कॉन्ट्रैक्ट दिया है।

नाले की सफाई के पहले फेज में 1 करोड़ 63 लाख रुपये खर्च होंगे। पिछले हफ्ते कमिश्नर मनीषा आव्हाले, महापौर अश्विनी निकम, स्वास्थ्य समिति सभापति सविता तोरणे-रगड़े वगैरह की मौजूदगी में नाले की सफाई शुरू हुई। इसके बाद दूसरे और तीसरे फेज में नालों की सफाई के लिए टेंडर प्रोसेस लागू किया जाएगा।

JCB मशीनों से नाले की सफाई शुरू

पब्लिक हेल्थ ऑफिसर मनीष हिवारे ने बताया कि सफाई के पहले फेज के लिए 11,000 वर्कर की जरूरत होगी। हिवारे ने बताया कि वार्ड नंबर 9 में तिलुमल सोसाइटी के पास नाले और उल्हासनगर कैंप नंबर 5 में वाटर सप्लाई ग्राउंड की सफाई JCB मशीनों से शुरू हो गई है। कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने लोगों से अपील की कि वे नालों, पब्लिक जगहों और कहीं भी कचरा न फेंके और शहर की सफाई बनाए रखने में सहयोग करें।

> नाले की सफाई के टेंडर प्रोसेस में जिन कॉन्ट्रैक्टर को हटाया गया था, उनमें से नाले की सफाई का कॉन्ट्रैक्ट एक पुराने और अनुभवी कॉन्ट्रैक्टर को दिया गया है।
>
> –मनीष हिवरे,
> पब्लिक हेल्थ ऑफिसर,
> उल्हासनगर महानगर पालिका

शिवसेना के पूर्व नगरसेवक ने पार्टी से दिया इस्तीफा

- अंबरनाथ में शिवसेना-भाजपा गठबंधन से नाराज

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ने वाले शिवसेना और भाजपा ने गठबंधन कर लिया है. मेरे मतदाता मुझे प्रश्न पूछ रहे हैं कि आखिर में एक ही होना था तो चुनाव विरोध में क्यों लड़ा गया? चुनाव ये केवल राजकारण नहीं. चुनाव जनता का विश्वास और कार्यकर्ता की निष्ठा की जवाबदारी होती है और इस बात को लेकर शिवसेना पक्ष से मैं इस्तीफा दे रहा हूं. अंबरनाथ शिवसेना के निष्ठावंत नेता एवं पूर्व नगरसेवक शशांक गायकवाड़ ने शहर में भाजपा-शिवसेना गठबंधन को लेकर उपरोक्त प्रतिक्रिया देते हुए अपना इस्तीफा पक्ष को सौंप दिया है.

विदित हो कि शहर में इस गठबंधन के होने से शिवसेना पक्ष शहर प्रमुख अरविंद वालेकर एवं नगरसेवक राजेंद्र वालेकर ने अपनी नाराजगी पहले ही जताई है. गायकवाड़ का वालेकर परिवार से लगाव है. शिवसेना पक्ष से ये पहला इस्तीफा खुलकर सामने आया है. अब शिवसेना से और कितने इस्तीफे सामने आएंगे कहा नहीं जा सकता है. शिवसेना के कई नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि अंबरनाथ नगर परिषद में शिवसेना को पूरा बहुमत प्राप्त होने से विषय समिति के सभी सभापति उनके और मित्र पक्ष राकांपा के हो रहे थे तो फिर भाजपा जो की अल्पमत में है, उनसे गठबंधन करने की जरूरत ही नहीं थी. अरविंद वालेकर ने तो खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है कि भाजपा को गठबंधन का प्रस्ताव शिवसेना के पास भेजना चाहिए था. हमें भाजपा के आगे प्रस्ताव नहीं रखना चाहिए था. अभी तो शिवसेना के एक नेता ने इस्ताफा दिया है. देखना है और कितने नेता अपना इस्ताफी पेश करते हैं.

कल्याण कोर्ट के बाहर वकील और पुलिस में झड़प

- गलत व्यवहार का आरोप

कल्याण. बुधवार को कल्याण डिस्ट्रिक्ट और सेशंस कोर्ट के परिसर में पार्किंग के झगड़े को लेकर एक पुलिसवाले ने एक वकील की पिटाई कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, वकील समुदाय ने कड़ा गुस्सा जताया और डिस्ट्रिक्ट जज ने संबंधित पुलिसवाले के खिलाफ तुरंत केस दर्ज करने का आदेश दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, कोर्ट परिसर में गाड़ी पार्किंग को लेकर एडवोकेट प्रक्षित अडांगले और ड्यूटी पर मौजूद एक पुलिसवाले के बीच बहस हो गई। शुरुआती कहासुनी के बाद, बहस

बढ़ गई और संबंधित पुलिसवाले पर वकील को गाड़ी से कुचलने और पीटने का आरोप है। इलाके के दूसरे वकीलों और पार्टियों ने तुरंत बीच-बचाव किया और हालात को काबू में किया। पूरी घटना एक मोबाइल कैमरे में कैद हो गई।

- आखिर हुआ क्या था?

कल्याण में कोर्ट से बाइक हटाने को लेकर एक वकील और एक पुलिसवाले के बीच कोर्ट में बहस हो गई। हालांकि, कुछ ही देर में झगड़ा बढ़ने के बाद वकीलों और पुलिसवालों के बीच लड़ाई शुरू हो गई। वकील प्रक्षित अडांगले ने आरोप लगाया है कि पुलिस वाले नशे में थे और उन्होंने गलत व्यवहार किया।

- डिस्ट्रिक्ट जज का गंभीर नोट

यह जानते हुए कि इस घटना से कोर्ट की इमेज खराब हो रही है, डिस्ट्रिक्ट जज परबीन सैयद ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन को संबंधित पुलिस ऑफिसर के खिलाफ इंडियन पीनल कोड के तहत केस दर्ज करने और तुरंत एक्शन रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

"अगर कोर्ट में ही सिक्योरिटी नहीं है, तो आम लोगों का क्या?"

कल्याण बार एसोसिएशन के सैकड़ों वकील जैसे ही इस घटना के बारे में पता चला, वे कोर्ट परिसर में जमा हो गए। वकीलों ने गुस्सा जताया कि अगर कोर्ट जैसी सेंसिटिव जगह पर वकीलों पर हमला होता है, तो आम लोगों की सिक्योरिटी दांव पर लग जाती है। वकीलों के एसोसिएशन ने यह भी मांग की है कि दोषी पुलिस ऑफिसर को तुरंत सस्पेंड और गिरफ्तार किया जाए। वकीलों ने यह भी कहा कि कोर्ट परिसर में सही CCTV कैमरे न होने से सिक्योरिटी का मामला और भी गंभीर हो गया है।

पुलिस जांच जारी

डिस्ट्रिक्ट जज के आदेश के बाद महात्मा फुले चौक पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो, चश्मदीदों के बयान और मौजूद सबूतों के आधार पर केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और सीनियर पुलिस अधिकारी अंदरूनी जांच भी कर रहे हैं। इस बीच, कल्याण कोर्ट परिसर में पार्किंग की जगह की कमी के कारण यह बात सामने आई है कि वकीलों, पार्टियों, कर्मचारियों और पुलिस के बीच अक्सर बहस होती रहती है। हालांकि, यह बहस सीधे हमले में बदल गई, जिससे कोर्ट परिसर में तनाव का माहौल बन गया।

जान की बाजी लगाकर महिला की जान बचाई

उल्हासनगर. सोमवार को पंजाबी कॉलोनी में गुरुअंश बिल्डिंग में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के बाद वहां रहने वालों में डर का माहौल बन गया। ऐसी गंभीर स्थिति में न तो फायर ब्रिगेड समय पर पहुंची, न ही कोई अर्जेंट मदद मिल पाई। हालांकि, उसी समय वहां से गुजर रहे SS ग्रुप फाउंडेशन के एक्टिविस्ट विजय राय ने जो हिम्मत दिखाई, उससे एक महिला की जान बच गई। एक महिला बिल्डिंग में फंस गई थी। धुएं और डर से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, वहां से गुजर रहे SS फाउंडेशन के विजय राय बिना किसी हिचकिचाहट के तुरंत बिल्डिंग में घुस गए। बड़ी हिम्मत दिखाते हुए उन्होंने महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

सुरक्षा पर गहराता भरोसे का संकट

रेल सेवा आम लोगों के लिए जीवन रेखा मानी जाती है, मगर यह सुविधा कई बार यात्रियों की जान पर भारी पड़ जाती है। सरकार की ओर से देश के रेल सेवा तंत्र को विश्वस्तरीय बनाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि कब और कहां रेल हादसा हो जाए, इसकी आशंका हमेशा बनी रहती है। पिछले दो दिन में तीन रेल हादसों ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता को और गहरा कर दिया है।

बिहार के सासाराम में सोमवार को प्लेटफॉर्म पर खड़ी एक यात्री रेलगाड़ी में आग लग गई, जिससे एक डिब्बा पूरी तरह जल गया। दूसरा हादसा उत्तराखंड में ऋषिकेश के योगनगरी रेलवे स्टेशन पर रात को हुआ, जब ट्रैक बदलते समय उज्जैनी एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इससे पहले रविवार को मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में राजधानी एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगने की घटना सामने आई थी। गनीमत रही कि इन तीनों हादसों में कोई जनहानि नहीं हुई। मगर सवाल है कि इस तरह के हादसों से सबक लेकर हर स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाने को लेकर गंभीरता आखिर नदारद क्यों है?

यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर सुरक्षित सफर के लिए रेल सेवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर जोर दिया जा रहा है, तो दूसरी तरफ बुनियादी सुरक्षा उपाय विभागीय अनदेखी की वजह से कमजोर पड़ते जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, सासाराम में रेलगाड़ी की एक बोगी में आग की घटना के समय स्टेशन पर अग्निशमन की माकूल व्यवस्था नहीं थी। न तो वहां रेलगाड़ी में पानी भरने के लिए बिछाई गई पाइपलाइन से तत्काल पानी उपलब्ध हो पाया और न ही स्टेशन पर रखे गए अग्निशमन सिलेंडरों में गैस थी। आग कैसे लगी, इसका भी कोई स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है।

यह बात छिपी नहीं है कि इस तरह के रेल हादसों में नाममात्र की कार्रवाई होती है और बाद में जांच के नतीजे भी सार्वजनिक नहीं किए जाते हैं। कहने को रेलवे बोर्ड के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, लेकिन व्यवस्थागत खामियों को जब तक दुरुस्त नहीं किया जाएगा और हर स्तर पर जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक सुरक्षित सफर की उम्मीद धुंधली ही रहेगी।

विमर्श

अमेरिका-चीन संबंधों के नए समीकरण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया चीन दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि इसका सरोकार भारत और अन्य एशियाई देशों की विदेश नीति एवं रणनीतिक दशा-दिशा से भी है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ ट्रंप की भाव-भंगिमाओं से यह भी आभास हुआ कि वाशिंगटन नए शीत युद्ध की तीखी प्रतिद्वंद्विता के दायरे से बाहर निकलकर बीजिंग के साथ कुछ मामलों में सह-अस्तित्व की संभावनाएं तलाशने में जुटा है। चीन के प्रति अमेरिका की इस नरमी का मूल कारण है कि ट्रंप प्रशासन दक्षिण अमेरिका को अपना प्रमुख प्रभुत्व क्षेत्र मानता है और एशिया में अनुकूल शक्ति संतुलन बनाए रखने के प्रति उतना उत्साहित नहीं, जितना पूर्ववर्ती बाइडेन प्रशासन था।

हालांकि अभी चीन ही ऐसा एकमात्र देश है, जो अमेरिका को वैश्विक स्तर पर चुनौती दे रहा है। प्रतीत होता है कि इस प्रतिद्वंद्वी से पार पाने में ट्रंप पारंपरिक अमेरिकी दृष्टिकोण में भरोसा नहीं रखते। जैसे कि ताइवान के मुद्दे को ही लें। ताइवान की स्वतंत्रता और अस्तित्व को चीन के अतिक्रमण से बचाने के लिए अमेरिका दशकों से सैन्य सहायता और सुरक्षा आश्वासन देता आ रहा है, लेकिन इस बीच पूर्वी यूरोप एवं पश्चिमी एशिया के युद्धों में उलझने के बाद और चीन के साथ रिश्तों की नजाकत को देखते हुए अमेरिका ने ताइवान को स्वीकृत, लेकिन अभी तक वितरित न किए गए हथियारों में 21 अरब डालर से अधिक का बकाया रखा है।

ताइवान के संदर्भ में बीजिंग में चिनफिंग ने एक लक्ष्मण रेखा खींचते हुए ट्रंप को चेताया कि अगर

इस मुद्दे को गलत तरीके से आगे बढ़ाया गया तो इससे चीन और अमेरिका के बीच खतरनाक संघर्ष हो सकता है। बीजिंग से लौटकर ट्रंप ने मानो चिनफिंग के प्रभाव में आकर यह कहा कि चीन बहुत शक्तिशाली देश है, जो नन्हें ताइवान से मात्र 59 मील दूर है, जबकि अमेरिका की ताइवान से दूरी 9,500 मील है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि अगर ताइवान की ताकत माना जाने वाला सेमीकंडक्टर उद्योग अमेरिका में स्थानांतरित कर दिया जाए तो ताइवान की कोई अहमियत ही नहीं रह जाएगी और चीन उसे जब चाहे अपने चंगुल में ले सकता है। ताइवान पर किसी संभावित चीनी हमले की सूरत में अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप को लेकर भी ट्रंप ने कोई आश्वासन नहीं दिया। ताइवान के साथ जापान की सुरक्षा के जुड़ाव को देखते हुए इसे लेकर और अनिश्चितता पैदा हो गई है कि अमेरिका समूचे पूर्वी एशिया को उसके अपने हाल पर छोड़ सकता है, जिससे चीनी वर्चस्व की आशंका ही बढ़ेगी। पहले ऐसा लग रहा था कि जापान, आस्ट्रेलिया, भारत और दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के साथ मिलकर अमेरिका चीनी आक्रामकता के सापेक्ष शक्ति का संतुलन बनाए रखने में सहायक बना रहेगा, लेकिन अब यह धारणा ध्वस्त होती दिख रही है। कहने को तो अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर अभी भी गंभीर है और उसकी सैन्य सक्रियता भी जारी है, लेकिन चीन को पीछे धकेलने के उसके इरादे विश्वसनीय नहीं लग रहे हैं।

भू-राजनीति के हिसाब से अमेरिका चीन के प्रति भले ही ढुलमुल रवैया अपना रहा हो, लेकिन आर्थिक और तकनीकी प्रतिस्पर्धा में दोनों महाशक्तियों के बीच टकराव में कोई खास कमी नहीं दिख रही।

ट्रंप मूल रूप से हैं तो एक व्यापारी ही और व्यापारिक दबाव की रणनीति को समझते हुए ही उन्होंने चीन को निर्यात होने वाली उच्च तकनीक पर न तो नियंत्रण में कोई ढील दी और न ही उस पर कायम 31 प्रतिशत के व्यापार शुल्क में कोई रियायत दी। चीन ने दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति रोककर अमेरिका को थोड़ा बहुत मजबूर जरूर किया था, लेकिन वाशिंगटन ने बीजिंग पर वाणिज्यिक दबाव पूरी तरह नहीं हटाया है।

चीन दौरे पर ट्रंप के साथ अमेरिका के दिग्गज उद्योगपतियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी गया था, लेकिन वहां ऐसी महत्वाकांक्षी घोषणाएं नहीं हुईं, जिनसे लगे कि उन सुनहरे दिनों की कोई वापसी हो पाएगी, जब अमेरिकी पूंजीवादी चीन में निवेश बढ़ाकर दोनों देशों के बीच परस्पर निर्भरता को नए सिरे से आगे बढ़ाएंगे। ऐसे रुझानों को देखें तो चीन-अमेरिका संबंधों की मिश्रित तस्वीर उभरी है। ट्रंप युग में चीन के साथ अमेरिका का भू-राजनीतिक टकराव तो कम हो रहा है, जिससे एशिया में चीन के अनियंत्रित क्षेत्रीय विस्तारवाद को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

खुशी इसमें है कि हम यह सोचें कि प्रभु ने हमें क्या-क्या दिया है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दहेज की जकड़ में घुटती महिलाओं की जिंदगी

किसी भी समाज के सभ्य होने की कसौटी यह है कि वह अपने बीच परंपरा से चली आ रही वैसी कुप्रथाओं से किस हद तक मुक्ति हासिल कर पाता है, जो अमानवीय होने के साथ कानूनन अपराध भी हैं। मगर ऐसा लगता है कि हमारे देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर समाज एक तरह की उदासीनता में रहता है। नतीजतन, जहां आधुनिक मूल्यों के साथ हो रहे सामाजिक विकास के बीच महिलाओं के प्रति दुराग्रह और कुंठा की हिंसा की जगह पूरी तरह खत्म होनी चाहिए थी, वहां आज भी कई ऐसी परंपराएं मुखर दिखती हैं, जिनकी वजह से महिलाओं का जीवन-संघर्ष कई गुना बढ़ जाता है।

हालत यह है कि जिस दहेज जैसी समस्या के खिलाफ सबसे ज्यादा अभियान चले, बेहद सख्त कानूनी प्रावधान किए गए, उसकी वजह से आज भी अक्सर महिलाओं की जान जा रही है। अर्थव्यवस्था और विकास के चमकते आंकड़ों के बीच आखिर क्या ऐसा छूट रहा है कि न तो समाज अपनी ओर से इस विकृत परंपरा को छोड़ने के लिए संवेदनशील हो रहा है और न ही इस संबंध में बने सख्त कानूनों का खौफ दिखता है।

दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गिने जाने वाले नोएडा यानी गौतमबुद्ध नगर में दहेज उत्पीड़न के कारण एक

महिला की मौत की खबर ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर किया है कि सामाजिक विकास की कसौटी पर हम कहां खड़े हैं और यह कितना अफसोसनाक है। कुछ ही दिन पहले भोपाल से भी दहेज की वजह से एक महिला की जान जाने की खबर आई थी। इन मामलों में महिला के परिवार वालों का स्पष्ट आरोप है कि शादी में भारी खर्च करने के बावजूद बाद के दिनों में भी दहेज की लगातार मांग पूरी न हो पाने की वजह से उनकी बेटी की हत्या कर दी गई और उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई।

आए दिन सामने आने वाली ऐसी घटनाएं बताती हैं कि आम भारतीय परिवारों में दहेज की वजह से उत्पीड़न और हत्या की घटनाएं आज भी एक भयावह वास्तविकता बनी हुई हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के एक आंकड़े के मुताबिक अकेले 2022 में दहेज की वजह से 6,516 महिलाओं की मौत हुई थी।

माना जाता है कि परंपरा के नाम पर जारी कुछ अमानवीय कुप्रथाएं दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में समाज के वैसे हिस्से में चलन में होती हैं, जो किन्हीं वजहों से शिक्षा और प्रगतिशील मूल्यों से दूर रह गए या विकास के सफर में पिछड़ गए। मगर शायद यह बस एक धारणा है और दिल्ली, नोएडा या किसी बड़े महानगर में भी कई लोग कुरीतियों के निर्वाह को लेकर उतने ही संकीर्ण घेरे में जीते हैं।

यह समझना मुश्किल है कि उच्च शिक्षित और आधुनिक मूल्यों के साथ जीने वाले कथित संभ्रांत परिवारों के भीतर भी दहेज जैसी विकृत परंपरा के प्रति इतना मोह क्यों बचा हुआ है कि वे बहू के उत्पीड़न और कई बार हत्या कर देने की हद तक भी चले जाते हैं। विचित्र यह भी है कि ऐसे कई परिवार पहले से ही आर्थिक रूप से खासे समृद्ध होते हैं। इसके बावजूद उनके भीतर बहू के घर से धन हासिल करने की ऐसी अदम्य भूख होती है कि वे अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

समस्या की जटिलता को समझे बिना अक्सर दहेज कानूनों के दुरुपयोग का सवाल उठाया जाता है, लेकिन आज भी दहेज की वजह से उत्पीड़न, आत्महत्या और हत्या की घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि इस मसले पर कड़ी कानूनी कार्रवाई से लेकर जनजागरूकता अभियानों की सख्त जरूरत है।

8 बीवियों से 130 बच्चे, परिवार को घोषित कर सकते हैं जिला!

जरा हट के

युगांडा के एक किसान मूसा हसाह्या कसेरा को सोशल मीडिया पर 'दुनिया का सबसे फर्टाइल मर्द' कहा जा रहा है. उनकी 8 बीवियां हैं, जिनसे उन्होंने 130 बच्चे पैदा करवाए हैं. पोता-पोतियों की संख्या 870 से ज्यादा हो चुकी है. इतना बड़ा परिवार देखकर कोई भी हैरान रह जाता है. मूसा की उम्र करीब 68 साल बताई जा रही है. वे एक साधारण किसान हैं लेकिन उनके परिवार का आकार किसी छोटे जिले जितना है. यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया यूजर्स जब उनसे मिलने पहुंचे तो हैरानी का ठिकाना नहीं रहा.

मूसा ने बताया कि उन्होंने कई सालों तक परिवार बढ़ाने पर पूरा ध्यान दिया. उनकी आठों पत्नियां उनके साथ रहती हैं और पूरा परिवार एक साथ मिलजुलकर रहता है. एक यूट्यूबर ने मूसा से मुलाकात की और उनकी पूरी कहानी रिकॉर्ड की. मूसा ने बताया कि उनके पहले और आखिरी बच्चे का

नाम तो उन्हें याद है लेकिन बीच के कई बच्चों के नाम याद नहीं रह पाते. वे पुरानी नोटबुक्स में सभी बच्चों और पोतों के नाम लिखकर रखते हैं. परिवार इतना बड़ा है कि रोजाना खाने-पीने का प्रबंध करना भी बड़ी चुनौती बन गया है. मूसा की कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. लोग कमेंट करके पूछ रहे हैं कि इतने बच्चों को पालना-पोसना कैसे संभव हुआ? मूसा का कहना है कि वे खेती-किसानी करते हैं और परिवार सबके साथ मिलकर काम करता है. बच्चों की संख्या इतनी ज्यादा होने के कारण वे अब थक चुके हैं. उन्होंने कहा कि अब और बच्चे नहीं चाहिए.

उन्होंने अपनी बीवियों को भी सलाह दी है कि परिवार नियोजन अपनाएं. विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे बड़े परिवार अफ्रीकी देशों में पहले आम थे लेकिन आधुनिक समय में दुर्लभ हो गए हैं. मूसा के परिवार को देखकर कई लोग हैरान हैं तो कुछ लोग उनकी तारीफ भी कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'यह मर्द अकेला ही एक गांव बसा सकता है.' दूसरे ने कहा, 'आजकल एक बच्चा भी पालना मुश्किल है, ये तो 130 बच्चे पाल रहे हैं.' मूसा का परिवार ना सिर्फ बच्चों बल्कि पोतों-पोतियों से भी भरा पड़ा है. 870 से ज्यादा पोते-पोती होने का दावा किया जा रहा है.

लौकी-दाल का चीला

खाना-खजाना

सामग्री

- 1 कप धुली हुई पीली मूंग दाल (इसे 2 घंटे पानी में भिगो कर रखें)
- लौकी: 1 कप कद्दूकस की हुई लौकी
- अदरक और मिर्च: 1 इंच अदरक का टुकड़ा और 1 हरी मिर्च
- मसाले: आधा चम्मच जीरा, एक चुटकी हल्दी और नमक स्वादानुसार
- थोड़ा सा बारीक कटा हरा धनिया
- तेल या देसी घी

विधि

भीगी हुई मूंग दाल का सारा पानी निकाल लें। अब एक मिक्सर ग्राइंडर में दाल, अदरक और हरी मिर्च डालें। जरूरत के अनुसार थोड़ा-सा पानी डालकर इसे पीस लें और एक स्मूथ, गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इसे एक बड़े बर्तन में निकाल लें।

अब इस पिसी हुई दाल के बैटर में कद्दूकस की हुई लौकी डाल दें। साथ ही इसमें जीरा, हल्दी, नमक और बारीक कटा हुआ हरा धनिया

डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। ध्यान रखें कि बैटर बहुत ज्यादा पतला न हो, इसकी मोटाई बिल्कुल पकौड़े या डोसे के बैटर जैसी होनी चाहिए।

गैस पर एक नॉन-स्टिक तवा रखें और उसे हल्का गरम होने दें। तवे पर थोड़ा सा घी या तेल लगाकर उसे चिकना कर लें। अब एक बड़ी चम्मच या कटोरी में बैटर लें, तवे के बिल्कुल बीच में डालें और उसे धीरे-धीरे गोल आकार में फैला दें।

चीले के चारों किनारों पर हल्का-हल्का तेल या घी डालें। इसे मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट तक पकने दें। जब यह नीचे से हल्का सुनहरा और क्रिस्पी दिखने लगे, तो इसे सावधानी से पलट दें। दूसरी तरफ से भी इसे अच्छी तरह सेंक लें ताकि अंदर तक पक जाए।

लीजिए, आपका गरमा-गरम, सुपर हेल्दी और टेस्टी लौकी-दाल का चीला तैयार है। इसे आप बच्चों के मनपसंद टोमेटो केचप, पुदीने की हरी चटनी या मीठे दही के साथ सर्व कर सकते हैं।

आपका बच्चा भी बनेगा लीडर!

- **जीवन के हर मोड़ पर सफलता दिलाएंगे पेरेंटिंग के ये आसान टिप्स**

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा जीवन के हर मोड़ पर पूरे आत्मविश्वास और जिम्मेदारी के साथ खड़ा रहे। आज के समय में सफल परवरिश का मतलब सिर्फ अच्छी शिक्षा या अच्छे ग्रेड्स दिलाना नहीं है, बल्कि बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी है। आत्मविश्वास किसी भी बच्चे की पर्सनैलिटी की वह नींव है, जो न सिर्फ उसे अपनी बात बेझिझक रखने की हिम्मत देती है, बल्कि असफलताओं से सीखने और धैर्य के साथ आगे बढ़ने की ताकत भी देती है। एक कॉन्फिडेंट बच्चा आगे

चलकर एक जिम्मेदार नागरिक बनता है। लेकिन यह खूबियां रातों-रात नहीं आतीं; इसके लिए बचपन से ही सही गाइडेंस की जरूरत होती है।

आइए जानते हैं पेरेंटिंग के कुछ ऐसे आसान और असरदार टिप्स, जो आपके बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने और उसे एक बेहतर इंसान बनाने में मदद करेंगे।

- **कैसे करें बच्चों का कॉन्फिडेंस बूस्ट?**

बच्चों को खुद मौका दें- बच्चों को अपनी राय रखने और भावनाएं जाहिर करने का अवसर दें। इससे वे खुद को खुलकर पेश करना सीखते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

हर उपलब्धि को मान्यता दें- चाहे बच्चा कोई पेंटिंग बनाए या कविता सुनाए, उसकी मेहनत को सराहें। वैलिडेशन मिलने से बच्चे को लगता है कि उसकी कोशिश की कद्र होती है, जिससे उसका आत्मविश्वास और प्रेरणा दोनों बढ़ते हैं।

मूल्यों और परंपराओं से जोड़ें- बच्चों को परिवार की परंपराओं, त्योहारों और रीति-रिवाजों से जोड़ें। इससे उनमें सांस्कृतिक जागरूकता आती है और वे अपनी पहचान को लेकर कॉन्फिडेंट बनते हैं।

सहनशीलता और धैर्य सिखाएं- बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि हर समय जीतना या तुरंत नतीजा मिलना जरूरी नहीं है। धैर्य और सहनशीलता उन्हें मैच्योर बनाने में मदद करेंगे।

स्वस्थ आदतें विकसित करें- सही खानपान, नियमित एक्सरसाइज और समय पर सोने-जागने की आदतें बच्चों के आत्मविश्वास को भीतर से मजबूत करती हैं। यह अनुशासन और सेल्फ कंट्रोल भी सिखाता है।

विफलताओं से सीखने का साहस दें- अगर बच्चा किसी काम में असफल हो, तो उसे यह समझाएं कि असफलता सीखने का हिस्सा है। इससे वह गिरकर उठना और आगे बढ़ना सीखता है, जो आत्मविश्वास का सबसे बड़ा आधार है।

खुलकर और पॉजिटिव बातचीत करें- बच्चों से खुलकर बातचीत करें और उनकी बातों को गंभीरता से सुनें। इससे उनमें विश्वास पैदा होता है कि वे हर समस्या और सवाल आपके साथ शेयर कर सकते हैं।

विनम्रता सिखाएं- बच्चों को दूसरों की मदद करना, छोटी-छोटी बातों में आभार जताना और सभी से विनम्रता से पेश आना सिखाएं। ये उन्हें दूसरों से कनेक्ट करने में मदद करते हैं और समाज में सम्मान दिलाते हैं।

आज का राशिफल

मेष : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। कुसंगति से हानि होगी। कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

वृषभ : जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है।

मिथुन : जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क : किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी।

सिंह : शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

कन्या : संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

तुला : थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति हो सकती है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु : कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

मकर : सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगे। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुंभ : मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। मित्र व संबंधियों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। जोखिम न लें। आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन : दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भीषण गर्मी से बचने के लिए अपनाएं ये आयुर्वेदिक नुस्खे

तेज धूप और भीषण गर्मी का असर सीधे हमारे शरीर पर पड़ता है. लू लगना, डिहाइड्रेशन, चक्कर आना और थकान जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं. ऐसे में आयुर्वेद में बताए गए. कुछ आसान घरेलू उपाय आपको न सिर्फ लू से बचाते हैं, बल्कि शरीर को अंदर से ठंडा और तरोताजा भी रखते हैं. अच्छी बात यह है कि ये सभी उपाय पूरी तरह प्राकृतिक, सुरक्षित और आसानी से घर पर अपनाए जा सकते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, अगर इन उपायों को रोजमर्रा की दिनचर्या में शामिल कर लिया जाए, तो गर्मी का असर काफी हद तक कम किया जा सकता है और शरीर संतुलित बना रहता है.

देसी ड्रिंक जो बनेंगे गर्मी के रक्षक

गर्मी में कुछ पारंपरिक पेय पदार्थ किसी दवा से कम नहीं होते है.कच्चे आम से बना आम पन्ना लू से बचाने का सबसे असरदार उपाय माना जाता है. यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित रखता है.इसी तरह बेल का शरबत पेट को ठंडा रखता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है.वहीं सत्तू का घोल शरीर को तुरंत ऊर्जा देने के साथ-साथ ठंडक भी प्रदान करता है, जिससे आप दिनभर एक्टिव बने रहते हैं

प्राकृतिक चीजों से शरीर को ठंडक

रसोई में मौजूद कई चीजें भी गर्मी से राहत दिलाने में कारगर हैं.धनिया बीज का पानी और पुदीने का शरबत

या चटनी शरीर की आंतरिक गर्मी को कम करते हैं. रातभर भिगोई हुई सौंफ का पानी सुबह पीने से पित्त दोष शांत होता है. शरीर ठंडा रहता है.अगर शरीर में ज्यादा गर्मी महसूस हो, तो चंदन का लेप माथे और छाती पर लगाने से तुरंत राहत मिलती है.

खानपान में रखें खास ध्यान

आयुर्वेद के अनुसार गर्मी में खानपान का सही चुनाव बहुत जरूरी है. कच्चा प्याज लू से बचाने में बेहद फायदेमंद माना गया है, इसलिए इसे सलाद के रूप में जरूर खाएं.इसके अलावा हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे लौकी, तोरई, खीरा और कद्दू जैसी पानी से भरपूर सब्जियां शरीर को हाइड्रेट रखती हैं.गर्मी से बचाव के लिए कुछ छोटी-छोटी आदतें भी बहुत काम की होती हैं.

आंखों में जलन के लिए गुलाब जल

आंखों में जलन होने पर गुलाब जल का इस्तेमाल करने से राहत मिलती है. ताजगी महसूस होती है. डॉ. अनिल पटेल के अनुसार, अगर इन उपायों को नियमित रूप से अपनाया जाए, तो गर्मी से होने वाली समस्याएं जैसे थकान, चक्कर आना, डिहाइड्रेशन और पाचन संबंधी परेशानियां काफी हद तक कम हो सकती हैं. वे तुलसी के बीज, सफेद प्याज, खस, चंदन और मोगरा जैसी ठंडी तासीर वाली चीजों को भी गर्मी में उपयोग करने की सलाह देते हैं. ये आयुर्वेदिक नुस्खे न सिर्फ आपको लू से बचाते हैं, बल्कि बिना किसी साइड इफेक्ट के शरीर को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ और ठंडा बनाए रखते हैं.

गर्मियों में बेल का शरबत देगा ठंडक का अहसास

गर्मी में अक्सर थकान और कमजोरी महसूस होती है, ऐसे में बेल का शरबत तुरंत ऊर्जा देता है और शरीर को तरोताज़ा रखता है. यह दिल के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा माना जाता है और ब्लड शुगर को संतुलित रखने में सहायक हो सकता है.

बेल का शरबत बनाने का तरीका

बेल का शरबत घर पर बहुत आसानी से बनाया जा सकता है. यह पूरी तरह प्राकृतिक होता है और इसमें किसी भी तरह के प्रिज़र्वेटिव की जरूरत नहीं होती.

सामग्री

- 1 पका हुआ बेल फल
- 3–4 गिलास ठंडा पानी
- 4–5 चम्मच चीनी (स्वादानुसार)
- 1/2 छोटा चम्मच काला नमक
- बर्फ के टुकड़े

बनाने की विधि

सबसे पहले बेल फल को फोड़कर उसका गूदा निकाल लें. अब इस गूदे को एक बड़े बर्तन में डालें और उसमें पानी मिलाएं. इसके बाद हाथों या चम्मच की मदद से गूदे को अच्छी तरह मसल लें, ताकि उसका सारा रस पानी में घुल जाए. अब इस मिश्रण को छलनी की सहायता से छान लें, जिससे बीज और रेशे अलग हो जाएं. छाने हुए शरबत में चीनी और काला नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं. अगर आप ठंडा शरबत पसंद करते हैं, तो इसमें बर्फ के टुकड़े डाल सकते हैं. अब इसे गिलास में डालकर ठंडा-ठंडा परोसें.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

विकास

खबरें गांव की...

'तंत्र मंत्र से हुई बेटे की मौत' इस अंधविश्वास में पिता ने कर डाला तांत्रिक का कत्ल

महाराजगंज. उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में जहां एक पिता ने सड़क हादसे में बेटे की जान जाने के बाद इस शक में तांत्रिक की हत्या कर दी कि हो न हो उसके तंत्र-मंत्र की वजह से ही ऐसा हुआ होगा। तांत्रिक पर पिता के शक की वजह यह थी कि उस तांत्रिक ने जनवरी 2025 में उससे दो लाख रुपए उधार मांगे थे जो उसने दिए नहीं थे। तब तांत्रिक ने इस शख्स से कहा था कि पैसे नहीं देने का खामियाजा तुमको भुगतना पड़ेगा। इसी के कुछ दिन बाद शिवरात्रि के दिन सड़क हादसा हुआ जिसमें इस शख्स ने अपना बेटा गंवा दिया। बेटे की मौत के बाद उसने कुछ अन्य ज्योतिषियों और ओझाओं से इस बारे में बात की। वह जितना इस बारे में सोचता गया उतना ही उसका विश्वास गहरा होता चला गया कि उसके बेटे की मौत के पीछे तंत्र-मंत्र और तांत्रिक ही है। बस इसी शक में उसने खौफनाक प्लान बना डाला। पुलिस का कहना है कि बेटे की मौत का बदला लेने के लिए उसने तांत्रिक की हत्या कर दी। करीब एक साल बाद इस घटना का खुलासा हुआ है।

पिता ने बेटी की हत्याकर खेत में ही दफनाया शव, पड़ोसी से प्यार की खौफनाक सजा

अलीगढ़. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले से रिश्तों को कलंकित करने वाली एक सनसनीखेज और दिलदहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां के खैर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव जरारा में एक पिता ने तथाकथित सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर अपनी ही 21 वर्षीय जवान बेटी की गला दबाकर बेरहमी से हत्या कर दी। इतना ही नहीं, जघन्य अपराध को छिपाने के लिए आरोपी पिता ने बेटी के शव को अपने ही खेत में गहरा गड्ढा खोदकर दफना दिया। युवती का कसूर सिर्फ इतना था कि वह पड़ोसी युवक से प्यार करती थी और उससे शादी करने की जिद पर अड़ी हुई थी। जरारा गांव का रहने वाला पूरन सिंह पेशे से किसान है। उसकी 21 साल की बेटी शिवानी का गांव के ही एक सजातीय युवक के साथ काफी समय से प्रेम संबंध चल रहा था। बीते 17 मई, 2026 की शाम को आरोपी पिता पूरन सिंह ने बेटी को हमेशा के लिए रास्ते से हटाने की एक खौफनाक साजिश रची। वह शिवानी को किसी काम का बहाना बनाकर चुपचाप अपने साथ खेत पर ले गया। सुनसान खेत में पहुंचते ही पूरन सिंह ने गुस्से में शिवानी की गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने रात के अंधेरे में ही खेत के बीचों-बीच एक गहरा गड्ढा खोदा और बेटी की लाश को उसमें दबाकर मिट्टी डाल दी, ताकि किसी को शक न हो।

नौकरी के नाम पर 250 युवकों को बंधक बनाकर ठगी, छापेमारी में छह गिरफ्तार

वाराणसी. वाराणसी में नेटवर्किंग कंपनी में नौकरी का झांसा देकर 250 बेरोजगार युवकों को बंधक बना कर ठगी की गई। साइबर पुलिस ने मंगलवार को सारनाथ के नई बाजार पतेरवां, दामोदरपुर और लठिया में छापेमारी की तो अफरातफरी मच गई। छह लोगों को गिरफ्तार कर युवकों को मुक्त कराया गया। डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार को गोपनीय शिकायत मिली थी कि नई बाजार पतेरवा में कुछ लोग काल सेंटर चला रहे हैं। उनकी आड़ में युवाओं को अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी की जा रही है। डीसीपी ने एसीपी विदुष सक्सेना एवं सारनाथ थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी को टीम के साथ भेजा। मंगलवार सुबह टीम सबसे पहले नई बाजार पतेरवा के एक भवन में पहुंची। वहां करीब 150 युवक मौजूद थे। हिरासत में लिए गए युवकों से पूछताछ के आधार पर यहां से करीब एक किमी दूर दामोदरपुर की एक कॉलोनी स्थित एक भवन में छापेमारी की गई।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

ट्रम्प के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ वोटिंग की; राष्ट्रपति के पास वीटो का अधिकार बाकी

- **विपक्ष बोला- युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास हो**

अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी।

अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि उसके बाद भी ट्रम्प इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है।

इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रम्प को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए।

डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं। वहीं व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रम्प ने अमेरिकी सुरक्षा के लिए अपने अधिकारों के तहत कार्रवाई की है।

अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है। इसके बाद या तो युद्ध खत्म करना होता है, कांग्रेस से अनुमति लेनी होती है, या फिर सेना की सुरक्षित वापसी के लिए 30 दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगनी होती है।

जिनपिंग बोले- दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही

- **पुतिन के साथ बैठक की**
- **कहा- ईरान जंग को रोकना जरूरी**

बीजिंग. चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही है।

जिनपिंग ने चेतावनी दी कि अगर लड़ाई नहीं रुकी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। उन्होंने कहा कि लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। जिनपिंग ने यह बयान बुधवार को बीजिंग में पुतिन के औपचारिक स्वागत के बाद दिया।

दुनिया में दबदबे की राजनीति खत्म हो

पुतिन और जिनपिंग ने बीजिंग में मुलाकात के दौरान दुनिया में दबदबे की राजनीति खत्म करने की बात कही। दोनों नेताओं ने कहा कि रूस और चीन मिलकर ज्यादा न्यायपूर्ण और संतुलित वैश्विक व्यवस्था बनाने की दिशा में काम करेंगे। बीजिंग में हुई उच्चस्तरीय बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक राजनीति, मिडिल ईस्ट युद्ध, ऊर्जा सुरक्षा और BRICS जैसे मुद्दों पर चर्चा की। पुतिन ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में रूस-चीन रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं और दोनों देश लगातार साझा परियोजनाओं पर साथ काम कर रहे हैं।

ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा

नई दिल्ली. भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) ने ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा कर लिया है। इस मिसाइल का नाम यूएलपीजीएम-वी3 है।

यह हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के टारगेट पर सटीक हमला कर सकती है। हवा में दुश्मन के हेलिकॉप्टर, ड्रोन और दूसरे हवाई टारगेट को मार गिरा सकती है।

वहीं जमीन पर टैंक, सैन्य वाहन और बंकर को निशाना बना सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मिसाइल का परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुर्नूल स्थित DRDO टेस्ट रेंज में किया गया।

इसमें इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो लॉन्च और कमांड सिस्टम को कंट्रोल करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह मिसाइल को बनाने में मिली सफलता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम है।

देशभर में 15 लाख दवा दुकानें बंद

- **ऑनलाइन बिक्री का विरोध कर रहे**

नई दिल्ली. दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पिटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है।

बंद का मामूली असर दिख रहा है। पटना के IGIMS के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के PGI में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा,

'दवाएं नहीं मिल रही हैं।'

हालांकि, AIOCD ने कहा था कि बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

- **कोविड-19 के दौरान सरकार ने ई-फार्मा को छूट दी**

कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत सरकार ने लॉकडाउन में लोगों तक जरूरी दवाइयां पहुंचाने के लिए ई-फार्मा स्टोर्स (ऑनलाइन मेडिकल स्टोर्स) को कई बड़ी रियायतें दी थीं।

सरकार ने ई-फार्मा को आवश्यक सेवा का दर्जा दिया, जिससे लॉकडाउन में भी उनकी डिलीवरी बिना रोक-टोक जारी रही। इसके अलावा, नियमों में ढील देते हुए डॉक्टरों के डिजिटल प्रिसक्रिप्शन (व्हाट्सएप या ईमेल पर भेजी गई पर्ची) के आधार पर दवाइयां बेचने की मंजूरी दी गई।

दवा दुकानदारों की 4 मांगें

- बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए।
- इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम GSR 220(E) और GSR 817(E) हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए।
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'गलत या नकली पर्चियों' का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए ई-फार्मेसी के लिए नए सख्त नियम बनाए जाएं।
- लोकल दुकानदार ऑनलाइन कंपनियों के 20% से 50% तक के डिस्काउंट का मुकाबला नहीं कर सकते।

'भारत की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे PM'

- **मोदी का बचाव करते हुए शरद पवार ने कांग्रेस को घेरा**

पुणे. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बचाव करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भले ही पीएम मोदी से उनकी राजनीतिक सोच उनसे अलग हो, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रधानमंत्री के रूप में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। मंगलवार शाम एक कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब भी राष्ट्रीय हित में सामूहिक रूप से काम करने

का अवसर मिले तो सभी को एक साझा उद्देश्य के साथ आगे आना चाहिए और देश की प्रतिष्ठा मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी, पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह जैसे नेताओं ने हमेशा देश के भविष्य और उसकी प्रतिष्ठा को अपने नेतृत्व के केंद्र में रखा। शरद पवार ने कहा, ''भारत की प्रतिष्ठा को बचाने की बात आए तो राजनीतिक मतभेद आड़े नहीं आने चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेशों में देश के सम्मान को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत् नरेंद्र मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारी राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं लेकिन जब बात राष्ट्र के सम्मान की हो तब राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए।''

शरद पवार ने पुणे स्थित लक्ष्मणराव गुट्टे रुरल डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित पूर्व राज्य और जिला पदाधिकारियों के सम्मान एवं मैत्री समारोह को संबोधित कर रहे थे। पवार ने कहा कि कार्यक्रम में मौजूद कई लोगों ने अपने जीवन के सबसे ऊर्जावान वर्ष युवा कांग्रेस और अन्य संगठनों को दिए और अब वे अलग-अलग राजनीतिक दलों में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''आज कुछ लोग अलग-अलग दलों में हो सकते हैं, लेकिन आप सभी आम लोगों के बीच बने हुए हैं और समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सजगता से बनाए रखा है।''

सिर्फ 60 दिन, वरना छोड़ो US

वाशिंगटन. अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनियों मेटा, अमेज़न और ओरेकल में हाल ही में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी ने हजारों भारतीय टेक पेशेवरों को मुश्किल में डाल दिया है। नौकरी जाने के बाद अब H-1B वीज़ा धारक भारतीयों के सामने केवल 60 दिनों का समय बचा है। इसी दौरान उन्हें नई नौकरी खोजनी होगी वरना उन्हें अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है। दरअसल, अमेरिकी इमिग्रेशन नियमों के अनुसार, H-1B वीजा पर काम कर रहे किसी विदेशी कर्मचारी की नौकरी जाने के बाद उसे 60 दिनों का "ग्रेस पीरियड" मिलता है। इस दौरान अगर उसे कोई नया नियोक्ता नहीं मिलता जो उसके वीज़ा को स्पॉन्सर करे, तो उसे अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है।

'वन नेशन, वन इलेक्शन'

- **JPC की टीम गुजरात पहुंची**
- **प्रियंका गांधी समेत 39 सदस्य सभी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात करेंगे**

वन नेशन-वन इलेक्शन के मुद्दे पर गठित संयुक्त संसदीय समिति ने विभिन्न राज्यों का दौरा कर राजनीतिक दलों और अधिकारियों से परामर्श शुरू कर दिया है। प्रियंका गांधी, संबित पात्रा और बांसुरी स्वराज समेत समिति के 39 सदस्य आज से तीन दिनों के लिए गुजरात पहुंचे हैं।

जेपीसी सदस्य मंगलवार की शाम गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल

और राज्य के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर उनके विचार जानेंगे। समिति की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस शाम 5:30 बजे गांधीनगर की गिफ्ट सिटी में होगी। वहीं, समिति ने समिति ने 20 मई 2026 को सभी राजनीतिक दलों को अपने विचार रखने के लिए गांधीनगर बुलाया है।

इस मुद्दे पर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा- गुजरात भाजपा एक राष्ट्र-एक चुनाव का पूरी तरह से समर्थन करती है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोषी ने कहा- कांग्रेस इस मुद्दे पर अपने विचार रखेगी। यह मुद्दा जनता के अधिकारों से जुड़ा है और हमारी सभी चिंताओं को समिति के समक्ष रखा जाएगा।

वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति की अध्यक्षता वकील पीपी चौधरी कर रहे हैं। इसमें कुल 39 सदस्य हैं, जिनमें 27 लोकसभा सांसद और 12 राज्यसभा सांसद शामिल हैं।

सूर्यवंशी ने रसेल का रिकॉर्ड तोड़ा

- **IPL सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले नंबर-2 बैटर**

राजस्थान रॉयल्स ने IPL 2026 के 64वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हरा दिया। जयपुर में खेले गए मैच में वैभव सूर्यवंशी ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

मंगलवार को वैभव सूर्यवंशी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले दूसरे बैटर बन गए। उन्होंने आंद्रे रसेल का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने बतौर भारतीय एक सीजन के पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बना डाले। उनके नाम अब 426 रन हो गए हैं। वैभव ने उंगलियो से A बनाकर फिफ्टी सेलिब्रेट की।

वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन पावरप्ले में 426 रन बनाए

वैभव IPL के एक सीजन के पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस सीजन पावरप्ले में 426 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर नंबर-1 पर हैं। वॉर्नर ने 2016 में पावरप्ले में 467 रन बनाए थे।

एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज

वैभव एक IPL सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस सीजन अब तक 53 सिक्स लगाए हैं। वैभव ने आंद्रे रसल (52 सिक्स) को पीछे छोड़ा। इस सूची में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 2012 में बेंगलुरु के लिए 59 छक्के लगाए थे।

सूर्यवंशी ने तीसरी बार इनिंग में 10+ सिक्स लगाए

वैभव IPL की एक पारी में सबसे ज्यादा 10 या इससे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने लखनऊ के खिलाफ 10 या इससे ज्यादा सिक्स लगाए। वैभव ने तीसरी बार एक पारी में 10 से ज्यादा छक्के लगाए। इस लिस्ट में क्रिस गेल नंबर एक पर है, जिन्होंने 4 बार यह कारनामा किया है। इसके अलावा फिन सूर्यवंशी दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने IPL के एक ही सीजन में दो बार 10 या उससे ज्यादा सिक्स लगाए हैं।

सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले बल्लेबाज

वैभव IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने इस सीजन 236.3 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। यह IPL के एक सीजन में कम से कम 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा है। इससे पहले आंद्रे रसेल के नाम यह रिकॉर्ड था, जिन्होंने 2019 में 204.8 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे।

हादसे को आमंत्रित कर रही संकरी सड़क : सिंह

- **सड़क चौड़ीकरण करने केंद्रीय मंत्री को दिया ज्ञापन**

प्रतापगढ़. जनपद के पट्टी स्थित लबेदा से लखनूडीह जाने वाली सड़क अति संकरी होने से यहां हमेशा किसी न किसी हादसे का खतरा बना रहता है. साथ ही दोनों तरफ से आने वाले बड़े वाहनों के निकलने में परेशानी होती है, जिसकी वजह से वाहन चालकों को वाहन निकालने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ती है. समस्या की गंभीरता को देखते हुए समाजसेवी गिरजा शंकर सिंह ने केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान को एक ज्ञापन दिया है. सिंह ने ज्ञापन में बताया है कि प्रतापगढ़ के सैफाबाद से दाउदपुर जाने वाली सड़क प्रधानमंत्री ग्रामीण योजना के तहत बनी है. यह सड़क लबेदा से होकर जाती है. लाबेदा से लखनूडीह जाने वाली सड़क भाऊपुर से होकर गुजरती है. चूंकि यह सड़क बेहद संकरी है, जिसकी वजह से विपरीत दिशा से आने वाले दो बड़े वाहनों के एक साथ निकलने में काफी

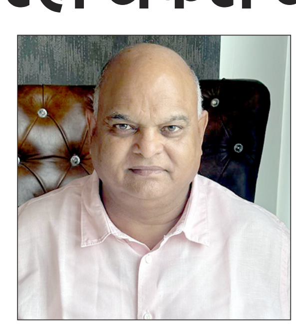

परेशानी होती है. इस मार्ग पर हमेशा हादसे का खतरा बना रहता है. बारिश के मौसम में तो इस सड़क की स्थिति और खराब हो जाती है. क्योंकि वाहनों को क्रॉस करने के लिए कच्ची मिट्टी में उतारना पड़ता है. वाहनों के पहिए में लगी मिट्टी सड़क पर फैल जाती है, जिससे सड़क पर फिसलन हो जाती है और दुर्घटना होने की आशंका बढ़ जाती है. सिंह ने मांग की है कि यदि इस सड़क का चौड़ीकरण किया जाए तो समस्या का समाधान हो सकता है और लोगों की जान असमय में जाने से बच सकती है. इसलिए प्रशासन को सड़क के चौड़ा करने के लिए ठोस योजना बनानी चाहिए.

बॉर्डर पर BSF को सौंपी जमीन

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठियों का आना अब और मुश्किल होने जा रहा है। घुसपैठियों पर भाजपा की शुभेंदु सरकार का हंटर चला है। शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को बीएसएफ को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने और सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जमीन सौंप दी है। इसकी शुरुआत 27 किलोमीटर के हिस्से से हुई। उन्होंने कहा कि राज्य में सीमा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए जहां भी जरूरत होगी, और जमीन दी जाएगी।

मणिपुर में नेशनल हाइवे 5 दिन से बंद

- **1000 से ज्यादा ट्रक-गाड़ियां फंसी**
- **पादरियों की हत्या और 14 कुकी नागरिकों को बंधक बनाने का विरोध**

इंफाल. मणिपुर की लाइफलाइन माना जाने वाला नेशनल हाईवे 2 पिछले पांच दिनों से पूरी तरह ठप पड़ा है। प्रधानमंत्री को सौंपे गए मांग पत्र पर कोई प्रगति न होने और सेनापति से अगवा किए गए 14 कुकी नागरिकों को छुड़ाने में सरकार की विफलता के विरोध में यह बंद लगाया गया है।

इसके कारण सेनापति जिले के खोंग्नेम से टी. खुल्लेन के बीच एक हजार से ज्यादा ट्रक, बस जैसे वाहन फंसे हुए हैं। इस बीच कुकी इन्पी संगठन ने सोमवार को बंद की अवधि 48 घंटे के लिए बढ़ा दिया।

ड्राइवरों के पास खाना खत्म, भूखे-प्यासे रहने मजबूर

बंद में फंसे ट्रक चालक, खलासी और यात्री अपने वाहनों के पास ही खुले आसमान के नीचे रातें काटने को मजबूर हैं। क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क बेहद कमजोर होने के कारण वे अपने परिवारों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। फंसे हुए लोगों के पास खाने-पीने की सामग्री और राशन पूरी तरह खत्म हो चुका है। स्थानीय बाजार से उन्हें चीजें ऊंची कीमतों पर मिल रही हैं। प्रशासन की ओर से कोई व्यापक राहत सामग्री नहीं पहुंचाई जा सकी है, जिससे कई के सामने भूखे रहने की नौबत आ गई है।

पेट्रोल पंपों पर ईंधन का सूखा

सैकड़ों तेल और एलपीजी टैंकरों के रास्ते में फंसने से राज्य के कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म हो चुका है। मालोम तेल डिपो में स्टॉक होने के बावजूद टैंकरों की कमी और ट्रांसपोर्टरों द्वारा कम लोडिंग शुल्क के विरोध के कारण खुदरा पंपों तक सप्लाई नहीं पहुंच पा रही है।

CM खेमचंद से मिला चर्च का प्रतिनिधिमंडल

चर्च की दो टीमें नागा और कुकी समुदायों के बीच शांति कायम करने की कोशिश में मणिपुर के कांगपोकपी और सेनापति जिलों का दौरा करेंगी।

'जय श्रीराम' बोलिए और पेट्रोल के दाम 10 रुपये कम हो जाएंगे

- **संजय राउत का BJP पर तंज**

मुंबई. देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) और उसके समर्थकों पर बेहद तीखा तंज कसा है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने ईंधन की कीमतों में इजाफे को प्रत्याशित बताया और तंज कसते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि यह तो होना ही था।

संजय राउत ने पेट्रोल-डीजल के बढ़े दामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'इसमें नया क्या है? यह तो होना ही था। अगर आप बीजेपी के समर्थक हैं तो बस 'जय श्री राम'

का नारा लगाइए और कीमतें 10 रुपये कम हो जाएंगी। बीजेपी का यही तो असली मंत्र है। 'जय श्री राम' बोलिए और आपको वह सब कुछ मिल जाएगा जो आप चाहते हैं।'

उन्होंने बीजेपी को वोट देने वाले आम वोटरों पर भी निशाना साधते हुए आगे कहा, 'जिन्होंने बीजेपी को वोट दिया है, उन्हें अब आराम से बैठना चाहिए और इस स्थिति का सामना करना चाहिए।'

संक्षेप...

तुकाराम मुंढे एफडीए के नए आयुक्त

पांच आईएएस अधिकारियों के तबादले

मुंबई. राज्य सरकार ने फिर प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया है. पांच आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है. वरिष्ठ अधिकारी तुकाराम मुंढे को अन्न व औषधि प्रशासन (एफडीए) का आयुक्त नियुक्त किया गया है. इसी तरह श्रीधर डुबे को मुंबई महानगर क्षेत्र झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण का नया सीईओ बनाया गया है.

राज्य सरकार की ओर से मंगलवार को महत्वपूर्ण विभागों के लिए 5 आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए गए. आईएएस अधिकारी कान्हुराज बगाटे को महामुंबई मेट्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर और आरएस चव्हाण को हाफकिन इंस्टीट्यूट का मैनेजिंग डायरेक्टर बनाया गया है. इसी तरह बाबासाहेब बेलदार को धुले जिला परिषद के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पद पर भेजा गया है.

ठाणे जिला परिषद की तरफ से समय पर

33 टैंकर प्रभावित गांवों और 127 पाड़ों में पानी की सप्लाई

ठाणे. गर्मी का मौसम बढ़ता जा रहा है, वहीं ठाणे जिला परिषद के ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग ने बहुत तेज़ी दिखाई है और जिले के टैंकर प्रभावित इलाकों को बड़ी राहत दी है। पानी की कमी दूर करने के प्रोग्राम के तहत जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर लागू किए गए असरदार उपायों से दूर-दराज के इलाकों में लोगों की पानी की कमी को रोकने में कामयाबी मिली है। अब तक, जिले के कुल 33 गांवों और 127 पाड़ों में 50 हज़ार तक प्रभावित लोगों को एडमिनिस्ट्रेटिव प्लानिंग के ज़रिए समय पर और सही तरीके से पीने का पानी दिया जा रहा है।प्रशासन ने शाहपुर तालुका पर खास ध्यान दिया है, जो जिले में अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण सबसे ज़्यादा पानी की कमी का सामना कर रहा है। शहापुर के 29 गांवों और 119 पाड़ों में 45 हज़ार 673 लोगों को पानी की कमी न हो, इसके लिए ज़िला परिषद ने तुरंत 34 प्राइवेट टैंकर खरीदे हैं। इन टैंकरों के ज़रिए अब तक रिकॉर्ड 4,067 खेप पूरी की जा चुकी हैं, जिससे गांववालों की पानी की ज़रूरतें सफलतापूर्वक पूरी हो रही हैं। इसी तरह, मुरबाद तालुका में भी एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम अलर्ट है, और वहां 3 टैंकरों के ज़रिए 4 गांवों और 8 पाड़ों में 4,236 लोगों को बिना रुकावट पानी की सप्लाई जारी रखी गई है। खास बात यह है कि एडमिनिस्ट्रेशन की सही प्लानिंग की वजह से अंबरनाथ, भिवंडी और कल्याण तालुका में हालात पूरी तरह कंट्रोल में हैं, और वहां अभी पानी की कमी की कोई स्थिति नहीं है।रूरल वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने यह वीकली प्रोग्रेस रिपोर्ट डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर और ज़िला परिषद के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर को सौंपी है। एडमिनिस्ट्रेशन ने पूरे ज़िले में कुल 37 प्राइवेट टैंकर खरीदकर हर कमी से प्रभावित पाड़े में पानी सप्लाई करने का पक्का इंतज़ाम किया है। गर्मी के बढ़ने का अंदाज़ा लगाते हुए, प्रशासन ने पानी की कमी दूर करने का प्रोग्राम लागू करना शुरू कर दिया है।

भिवंडी में पानी चोरी का बड़ा खुलासा

- मुख्य पाइपलाइन में छेद कर लिए 45 अवैध कनेक्शन
- भिवंडी मनपा को 1.34 लाख रुपये का नुकसान

भिवंडी. भिवंडी में पानी चोरी का एक बड़ा मामला सामने आया है. भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका के पानी आपूर्ति विभाग ने शहर के सौदागर मोहल्ला इलाके में मुख्य पाइपलाइन में अवैध छेड़छाड़ कर 45 गैरकानूनी पानी कनेक्शन लेने के मामले में 3 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है. इस कार्रवाई से शहर में अवैध जल कनेक्शनों और पानी चोरी के नेटवर्क पर फिर से सवाल खड़े हो गए हैं.

गौरतलब हो कि,मनपा आयुक्त अनमोल सागर के आदेश पर जलापूर्ति विभाग पानी चोरों की खोज कर आपराधिक मामला पुलिस स्टेशन में दर्ज कराए जाने में जुटा है. मनपा जलापूर्ति विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, जलापूर्ति कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर के निर्देशानुसार वाटर टास्क फोर्स की टीम द्वाराव हिंदुस्तानी मस्जिद से जुमा मस्जिद तक सौदागर मोहल्ला क्षेत्र में आरसीसी सड़क निर्माण कार्य के दौरान निरीक्षण किया गया.जांच में सामने आया कि कुछ लोगों ने सड़क निर्माण का फायदा उठाकर महानगरपालिका की मुख्य जलवाहिनी में छेद कर अवैध रूप से आधा इंच व्यास के 45 पानी कनेक्शन जोड़ दिए थे. इस मामले में नसीम अख्तर अंसारी, समीर मोहम्मद यूसुफ मोमीन और शब्बर खतीब के खिलाफ कार्रवाई की गई है.मनपा प्रशासन का आरोप है कि इन लोगों ने बिना किसी पूर्व अनुमति के अवैध जल कनेक्शन लेकर महानगरपालिका के पानी की चोरी की.मनपा के अनुसार, आधा इंच के प्रत्येक अवैध कनेक्शन की अनुमानित कीमत 2,100 रुपये के हिसाब से 45 कनेक्शनों का नुकसान 94,500 रुपये आंका गया है. पाइपलाइन को क्षति पहुंचाने के कारण अतिरिक्त 40 हजार रुपये का नुकसान हुआ.इस तरह महानगरपालिका को कुल 1 लाख 34 हजार 500 रुपये का नुकसान होने का दावा किया गया है. भोईवाडा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है.

आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 324(4), 326 (क) और 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है. जलापूर्ति विभाग उप अभियंता सरफराज अंसारी के नेतृत्व में पथक प्रमुख विराज भोईर और सहायक पथक प्रमुख नफीस मोमीन ने संयुक्त रूप से कार्रवाई अंजाम दी.

पानी चोरों के खिलाफ सख्त एक्शन

पानी चोरी रोकने हेतु जलापूर्ति विभाग मुस्तैदी से जुटा है .वाटर टास्क फोर्स टीम अभियान चलाकर पानी चोरों पर नकेल कस कर पुलिसिया कार्यवाही एवं दंड वसूल रही है .लोग नियमित वैध कनेक्शन लेकर ही पानी का उपयोग करें .पानी चोरों को कतई बख्शा नहीं जाएगा .कड़क एक्शन होगा .

–संदीप पटनावर
कार्यकारी अभियंता जलापूर्ति विभाग मनपा भिवंडी .

भिवंडी में नाले की सफाई के नाम पर करोड़ों का झोलझाल?

भिवंडी. भिवंडी महानगर पालिका का हेल्थ और सैनिटेशन डिपार्टमेंट एक बार फिर चर्चा में आ गया है. लोगों का आरोप है कि नाले की सफाई के काम में बड़े पैमाने पर पैसे की गड़बड़ी हुई है। महापौर नारायण रतन चौधरी ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे सीवर और नाले की सफाई के काम का इंस्पेक्शन करते समय अधिकारियों को कथित तौर पर थप्पड़ मारा, जिससे ढीले प्रशासन की पोल खुल गई।

महापौर ने रतन टॉकीज, भंडारी कॉम्प्लेक्स, काकूबाई चॉल, दरगाह दीवान शाह नगर, देव नगर और करीवली इलाकों में सफाई के काम का रिव्यू किया। इस मौके पर उन्होंने कॉन्ट्रैक्टर को समय पर और क्वालिटी के साथ काम पूरा करने का आदेश दिया और अच्छा काम करने वाले कॉन्ट्रैक्टर को 1 लाख रुपये का इनाम देने का ऐलान किया।

जानकारी के मुताबिक, साल 2025 में शहर के 135 नालों की सफाई पर 2 करोड़ 27 लाख रुपये खर्च किए गए थे। लेकिन, इस साल नालों की संख्या अचानक 235 दिखाकर खर्च बढ़ाकर 2 करोड़ 44 लाख रुपये कर दिया गया है। तो, सिर्फ एक साल में सौ नए नाले कहां से आ गए?

यही सवाल अब आम नागरिक पूछ रहे हैं। नागरिकों के मुताबिक, यह आंकड़ा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने और करोड़ों रुपये के ठेके मंजूर करने का मामला हो सकता है। इसलिए, सवाल यह है कि क्या प्रशासन जानबूझकर स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार को नजरअंदाज कर रहा है। हालांकि, इस साल, जब से महापौर नारायण चौधरी खुद नाले की सफाई के काम का इंस्पेक्शन कर रहे हैं, नागरिकों को उम्मीद है कि हेल्थ ऑफिसर फैसल टाटली और जे. एम. सोनवणे के काम करने के तरीकों में सुधार होगा और इस साल भी नाले की सफाई का काम अच्छे से पूरा होगा।

जब से महापौर नारायण चौधरी ने खुद इंस्पेक्शन शुरू किया है, हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों पर दबाव बना है, और नागरिकों को उम्मीद है कि इस साल भी सफाई का काम अच्छे से होगा। हालांकि, अब नागरिकों की यह पुरजोर मांग है कि सिर्फ इंस्पेक्शन टूर की जरूरत नहीं है, बल्कि संदिग्ध कॉन्ट्रैक्ट और बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए आंकड़ों की पूरी जांच करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

इस निरीक्षण दौरे के दौरान हेल्थ और सैनिटेशन ऑफिसर फैसल टाटली, जे. एम. सोनवणे, वार्ड ऑफिसर अरविंद घुगरे और दूसरे अधिकारी मौजूद थे। स्थानीय जनप्रतिनिधि वसीम अंसारी, इरफान अंसारी और शकील पापा ने भी निरीक्षण में हिस्सा लिया।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने कुओं का निरीक्षण किया

- घोड़बंदर के लोगों को 3 कुओं से पानी मिलेगा
- घोड़बंदर इलाके में पानी की कमी कुछ हद तक खत्म हो जाएगी

ठाणे. शहर के घोड़बंदर इलाके में बढ़ते शहरीकरण और गर्मी के दिनों में होने वाली पानी की कमी के असरदार सॉल्यूशन के तौर पर, आनंद नगर, टी. एम. पा उद्यान, कासरवडवली और कृष्णा ग्रीनलैंड पार्क, कासरवडावली के इलाकों में 3 पुराने कुओं को फिर से चालू किया गया है, और उन पर R.O. प्लांट लगाकर लोगों को साफ पानी देने की एक बड़ी पहल परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के कॉन्सेप्ट के तहत लागू की जा रही है और आज एक इंस्पेक्शन टूर किया गया।इस मौके पर बोलते हुए, मंत्री सरनाईक ने कहा कि ठाणे शहर में कई कुएं समय के साथ बंद हो गए थे या कचरे और सीवेज से खराब हो गए थे। इस वजह से, पानी का कुदरती सोर्स खत्म होने की कगार पर था। इसे ध्यान में रखते हुए, उस समय के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समय में, ठाणे और मीरा-भायंदर शहर के 46 कुओं को फिर से चालू करने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का फंड दिया गया था। इस फंड से, मनपा के वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के ज़रिए साइंटिफिक तरीके से सफाई करने, गाद निकालने और बचाव के तरीके अपनाकर उन्हें ठीक करने का काम चल रहा है। साथ ही, इन कुओं पर R.O. प्लांट लगाने का काम भी चल रहा है।

अभी, जब गर्मी का मौसम बढ़ने की वजह से मनपा से पानी की सप्लाई कम होती है या टेक्निकल वजहों से रुक जाती है, तो लोगों को बहुत परेशानी होती है। ऐसे में, फिर से चालू किए गए कुएं और उन पर लगाए गए R.O. प्लांट लोगों के लिए बड़ी राहत होंगे।इस प्रोजेक्ट के तहत, कुओं में पानी के कुदरती सोर्स को बचाया जा रहा है और सीवेज के मिलने को रोका जा रहा है। कुओं को बचाने के लिए जाल लगाना, दीवारों को मज़बूत करना और रेगुलर सफ़ाई जैसे उपाय किए जा रहे हैं। इससे कुओं का पानी साफ़ और सुरक्षित रहेगा।इस पहल से अप्रैल-मई के महीनों में होने वाली पानी की भारी कमी को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी, और नागरिकों को पूरे साल साफ़ पानी मिलने का रास्ता साफ़ हो गया है, ऐसा मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा।आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके और प्राकृतिक संसाधनों को बचाते हुए नागरिकों की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने वाले कुओं को फिर से ज़िंदा करने की यह पहल एक मॉडल साबित हो रही है, और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने यह भी अपील की कि ऐसी पहल राज्य के दूसरे शहरों में भी लागू की जानी चाहिए।

शाडू मिट्टी से गणेश मूर्तियां बनाने पर वर्कशॉप

ठाणे. मनपा पार्क डिपार्टमेंट और एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट, 'माझी वसुंधरा' और लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' के सहयोग से, वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर 5 जून से 7 जून, 2026 तक बायोडायवर्सिटी पार्क, हीरानंदानी एस्टेट, वनपार्क के पीछे, ठाणे में कई इको-फ्रेंडली एक्टिविटीज़ की जाएंगी।इस संबंध में, इको-फ्रेंडली गणेशोत्सव को बढ़ावा देने के लिए शाडू मिट्टी से गणेश मूर्तियां बनाने पर एक खास वर्कशॉप आयोजित की गई है। यह वर्कशॉप 5 जून से 7 जून, 2026 तक हर दिन सुबह 10.30 बजे आयोजित की जाएगी और सभी के लिए खुली रहेगी।इस वर्कशॉप में, नागरिकों को एक्सपर्ट मूर्तिकारों के मार्गदर्शन में शाडू मिट्टी से गणेश मूर्तियां बनाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। यह पहल इको-फ्रेंडली त्योहार मनाने, प्रकृति को बचाने, सस्टेनेबल विकल्पों का इस्तेमाल करने और कला और संस्कृति को बचाने के मकसद से की जा रही है।मनपा के पर्यावरण विभाग ने नागरिकों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है, और वे अपनी सुविधा के किसी भी दिन वर्कशॉप में रजिस्टर करके हिस्सा ले सकते हैं। नागरिकों को इस मुफ़्त पहल का फ़ायदा उठाना चाहिए और रजिस्ट्रेशन के लिए QR कोड स्कैन करना चाहिए, नगर निगम ने अपील की है।

प्रशांत किशोर NCP के नए रणनीतिकार?

- सुनेत्रा पवार-पार्थ पवार के साथ मीटिंग हुई

पुणे. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) ने कुछ महीने पहले नरेश अरोड़ा की डिजाइन बॉक्स कंपनी के साथ कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया था। नरेश अरोड़ा ने विधानसभा चुनाव में पॉलिटिकल स्ट्रेटजिस्ट के तौर पर काम किया था। अब, सूत्रोंर जानकारी दी है कि उनकी जगह प्रशांत किशोर को यह ज़िम्मेदारी दी गई है। यह भी खबर है कि डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुनेत्रा पवार, MP पार्थ पवार और प्रशांत किशोर मंगलवार (19 मई) सुबह मिले।

डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार मंगलवार (19 मई) सुबह प्रशांत किशोर से मिले। वह अब से NCP (अजीत पवार) के पॉलिटिकल स्ट्रेटजिस्ट और उनकी कंपनी का काम देखेंगे। सूत्रों ने बताया कि वह 1 जून से काम करना शुरू कर देंगे।

नरेश अरोड़ा और NCP का पिंक कैंपेन

लोकसभा चुनाव में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) का परफॉर्मेंस निराशाजनक रहा। उसके बाद नरेश अरोड़ा के डिज़ाइन बॉक्स को पार्टी की कैंपेन स्ट्रेटेजी बनाने की ज़िम्मेदारी दी गई। नरेश अरोड़ा डिज़ाइन बॉक्स कंपनी के को-फ़ाउंडर हैं और दूसरे राज्यों में भी पॉलिटिकल स्ट्रेटजिस्ट के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने अजित पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के लिए असेंबली इलेक्शन में पिंक कैंपेन चलाया था। यह रंग लड़की बहिन स्कीम के हिसाब से चुना गया था। लेकिन, बाद में नरेश अरोड़ा के साथ काम बंद कर दिया गया।

अब राज्य की सभी पार्टियां 2029 में होने वाले असेंबली इलेक्शन का इंतज़ार कर रही हैं। उसी हिसाब से तैयारियां शुरू हो गई हैं, और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी ने भी पार्टी को बनाने और लोगों तक पहुंचने का काम शुरू कर दिया है।

आर माधवन ने बेटे के लिए छोड़ा देश

- अब दुबई में बसाया आशियाना

धुरंधर एक्टर आर माधवन अब मुंबई का अपना घर छोड़ दुबई में शिफ्ट हो गए हैं। एक्टर ने अपने बेटे वेदांत माधवन के लिए करियर को ध्यान में रखते हुए जिंदगी का ये बड़ा फैसला लिया है। आर माधवन कई बार अपने बेटे वेदांत के स्विमिंग को लेकर लगाव के बारे में बात कर चुके हैं। कई सोशल मीडिया पोस्ट पर आर माधवन ने बेटे की जीत की खुशी शेयर की है। लेकिन अब बेटे के स्विमिंग में करियर की वजह आर माधवन और उनकी पत्नी सरिता दुबई शिफ्ट हो गए हैं।

आर माधवन ने अपने एक इंटरव्यू में दुबई शिफ्ट होने पर बात की है। एक्टर ने बताया कि कसे साल 2020 में कोविड-19 की वजह से देश के स्विमिंग पूल लंबे समय तक बंद रहे थे। इससे उनके बेटे की स्विमिंग ट्रेनिंग पर असर पड़ा था। वहीं दुबई और यूरोपीय देशों में खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग सुविधाएं दोबारा से शुरू हुई हैं। ऐसे में वो बेटे वेदांत की ट्रेनिंग के लिए दुबई शिफ्ट हो गए हैं। ऐसे समय में आर माधवन के लिए सबसे जरूरी बेटे का करियर था। एक्टर के मुताबिक अगर उनका बेटा वेदांत लगातार प्रैक्टिस नहीं करेगा तो उसका सपना अधूरा रह जाएगा। एक्टर ने ये भी कहा कि शुरुआत में उन्हें लोगों की परवाह थी। लेकिन उन्होंने वही किया जो उनके बेटे के लिए सही था।

फाइनेंसियल एक्सप्रेस के मुताबिक आर माधवन जी नेट वर्थ 125 करोड़ बताई गई है। फिल्मों के अलावा वो ब्रांड भी एंडोर्स करते हैं। आर माधवन के पास दुबई में आलीशान शर है। उनके घर में मंदिर भी जहां वो अक्सर पूजापाठ करते हैं। यहां रहने का फैसला एक्टर ने अपने बेटे के करियर के लिए लिया। रिपोर्ट के मुताबिक आर माधवन ने दुबई में अपना आशियाना बना लिया है।

धुरंधर से किया कमाल

वर्क फ्रंट की बात करें तो आर माधवन को हाल में धुरंधर 2 में देखा गया था। एक्टर ने अजय सान्याल का किरदार निभाया था। फिल्म में एक्टर के काम को ऑडियंस ने पसंद किया। धुरंधर के दोनों पार्ट ने बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला दी थी। सभी एक्टर्स ने अपनी परफॉर्मेंस से धमाका कर दिया। अब इनकी आने वाली फिल्मों का इंतजार हो रहा है।

सफाई कर्मचारियों के लिए बनाई गई योजनाओं को दूसरी मनपा को भी अपनाना चाहिए - मुकेश सारवान

ठाणे. महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी कमीशन के वाइस चेयरमैन मुकेश सारवान ने आज मनपा का दौरा किया और मनपा के सफाई कर्मचारियों की समस्याओं, बेसिक सुविधाओं और दूसरे मामलों का डिटेल में रिव्यू किया। इस दौरान, उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी सबसे ज़रूरी फैक्टर हैं और मनपा द्वारा सफाई कर्मचारियों के लिए लागू की गई योजनाएं गर्व की बात हैं और अगर दूसरी मनपा भी इसे फॉलो करें, तो सफाई कर्मचारियों की कोई समस्या नहीं होगी, उन्होंने कहा।महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी कमीशन के वाइस चेयरमैन मुकेश सारवान ने आज मनपा के स्वर्गीय अरविंद पेंडसे हॉल में मनपा अधिकारियों के साथ मीटिंग की। मीटिंग में मनपा के एडिशनल कमिश्नर 2 प्रशांत रोडे, डिप्टी कमिश्नर जी.जी. गोदापुरे, डिप्टी कमिश्नर जितेंद्र निकम, डॉ. मिताली संचेती, ट्रांसपोर्ट मैनेजर भालचंद्र बेहरे, एस्टैब्लिशमेंट सुपरिटेंडेंट दयानंद गुंडप और दूसरे अधिकारियों के साथ-साथ सफाई कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी और मज़दूर प्रतिनिधि मौजूद थे।ठाणे मनपा की तरफ से 15 अगस्त, 26 जनवरी और 1 मई को 10 कर्मचारियों को मेधावी सफाई कर्मचारी के तौर पर सम्मानित करने, सफाई कर्मचारियों के लिए घर, उनके वारिसों को पढ़ाई-लिखाई के हिसाब से पदों पर शामिल करने, हेल्थ सुविधाएं, प्रमोशन और अब तक विरासत में मिली नियुक्तियों की जानकारी डिप्टी कमिश्नर जी.जी. गोदापुरे ने कमीशन के सामने पेश की।सफाई कर्मचारी एक अहम फैक्टर हैं और वे शहर को साफ रखने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी संतोष जताया कि मनपा सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का भी तुरंत हल निकाल रही है। उन्होंने मनपा प्रशासन को इस मीटिंग में सफाई कर्मचारियों की तरफ से पेश किए गए ज्ञापनों पर 15 दिन के अंदर कमीशन को रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।ठाणे मनपा बहुत अच्छे सफ़ाई कर्मचारियों को बढ़ावा दे रहा है, समय पर महीने की सैलरी दे रहा है, और रिटायरमेंट के दिन सफ़ाई कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद के फ़ायदे दे रहा है। सफ़ाई कर्मचारियों को सुरक्षा के सामान दिए जाते हैं, कर्मचारियों का हेल्थ चेक-अप किया जाता है, और महिला कर्मचारियों की मैमोग्राफी स्क्रीनिंग की जाती है। महाराष्ट्र राज्य सफ़ाई कर्मचारी कमीशन के वाइस चेयरमैन ने इन सुविधाओं पर खुशी जताई।

APMC के दो सीनियर अधिकारी ACB के जाल में

- 1.40 लाख की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

नवी मुंबई. नवी मुंबई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई कृषि उपज बाजार समिति (APMC), वाशी के दो वरिष्ठ अधिकारियों को 1.40 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।यह पूरी कार्रवाई वाशी स्थित APMC प्रशासनिक भवन के आलू-प्याज बाजार कार्यालय में की गई।

एपीएमसी प्रशासन में भ्रष्टाचार एक बार फिर सामने आया है, मंगलवार को एंटी-करप्शन ब्यूरो के एक ऑपरेशन में, स्वच्छता विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारियों को 1.40 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया. यह ऑपरेशन ठेकेदार से बकाया पेमेंट का चेक जारी करने के लिए 15 प्रतिशत कमीशन मांगने के सिलसिले में किया गया था. इस मामले में, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सैनिटेशन के डिप्टी सेक्रेटरी डॉ. दीपक अवती और सैनिटेशन के इंस्पेक्टर इंचार्ज समीर म्हात्रे को गिरफ्तार किया गया है. एसीबी की नवी मुंबई टीम ने एपीएमसी की मेन प्रशासनिक इमारत में डिप्टी सेक्रेटरी के ऑफिस में जाल बिछाकर यह ऑपरेशन किया.

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
उल्हास वि NEWS LIVE
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
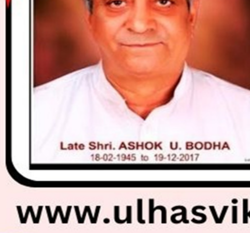
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099